

Sixteenth Lok Sabha

an&gt;

Title: Need to enhance the honorarium of Asha workers and provide them other service benefits.

**श्रीमती रक्षाताई खाडसे (रावेर)** : 11 लाख आशा स्वयं सेवक एवं आशा गट-प्रवर्तक देश में ग्रामीण तथा आदिवासी बहुल क्षेत्र में गत वर्षों से अपनी सेवाएं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से संलग्न राष्ट्रीय आरोग्य योजना (एनएचएम) के अंतर्गत अर्पित कर रहे हैं। इन आशा स्वयं सेवक वर्ग में काम करने वाले कर्मियों को मिलने वाले मानधन को बदलकर व बढ़ाकर 10,000/- प्रति महीना किया जाए व आशा गट-प्रवर्तक को मिलने वाले प्रवास खर्च/मानधन 6,125/- रु. के बदले उन्हें 15,000/- रु. प्रति महीना मानधन मिले तथा अन्य सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली मेडिकल छुट्टी, पेड़ छुट्टी एवं पेंशन जैसी सुविधाएं तथा डयूटी ड्रेस कोड मटेरियल खर्च बढ़ाना, आंगनवाड़ी सेवक को केंद्र के लिए मिलने वाला प्रासंगिकता खर्च के लिए मिल रही राशि आशा स्वयं सेवक को भी मिले। ऐसा ऐसे सभी खर्च में बढ़ोतरी और राष्ट्रीय आरोग्य योजना में हर पांच साल में बढ़ोतरी न करते हुए इस योजना को नियमित रूप से परावर्तित करने के लिए कई बार सरकार के सामने प्रस्ताव रखे और प्रदर्शन भी किए हैं जिससे वह अपनी निजी लाइफ में आने वाली समस्या और बढ़ी हुई महंगाई के बारे में न सोचते हुए उन्हें सौंपी गई आरोग्य सेवाएं पूर्ण सेवाभाव से और प्रभावी तरीके से अर्पित कर सकें। आज देश में हम डिजीटलाइजेशन की तरफ अपनी नींव को मजबूत बना रहे हैं। इस दौर में आशा स्वयं सेवक व आशा गट-प्रवर्तक वर्ग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उसको ध्यान में रखते हुए इन सभी को कम्प्यूटर ट्रेनिंग तथा टेक्नोलॉजी अपग्रेड कराने की भी जरूरत है, जिससे वह अपना रिपोर्टिंग उच्च पदाधिकारियों को तुरंत अपडेट करा सकते हैं। इसलिए मैं माननीय मंत्री जी से अनुरोध तथा निवेदन करती हूँ कि इन आशा स्वयं सेवक व आशा गट-प्रवर्तक वर्ग की मांगों को सरकार जल्द से जल्द

स्वीकार करे, ताकि यह लोग अपनी आरोग्य सेवाएं अर्पित की सकें तथा अपनी रिपोर्टिंग आसानी से व तुरंत अपने अधिकारी वर्ग को कर सकें। इसके लिए, इन सबको लैपटॉप इशू करें जिसके चलते देश अति शीघ्र ग्रामीण तथा

अदिवासी बहुल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं जल्द व तुरंत पहुंचाये तथा देश डिजीटलाइजेशन की तरफ बढ़े।